

**फर्द अहकाम**

(नियम 26)

अदालत ..... सिकराय .....  
 नाम ..... बनाम .....  
 मुकदमा ..... मु० नं० 20/16

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
<p>असहार्ड निर्दिष्टता (Ti) पर बहस युक्तिगर्।                      पत्रावली का अतलमैत प्रितो व बहस का अंतत किला।                      इस उतरा के जदपिते वारती 2000 307, 303 वरि शता येस लो सिकरान के सम्बन्ध के विवर है। इस उतरा के धर्म के दि० 13-5-16 को इस न्यायालय द्वारा अन्तरिम तां जखी को जा चुकी है कि उतर विवरण युक्ति के सजाव विवर व शर्तों की प्रस्ताविति बनाने रहे। न्यायालय के इस उतरा के धर्म के जखी अन्तरिम तां को लो प्रस्तावता बाद तक को लिए कन्फर्म किला जसा उचित एगिर होत है।                      अतः अन्तरिम का अन्तरिम का असहार्ड निर्दिष्टता सिकरान किला जरा है वका जदपिते युक्ति यतः लो 307, 303 वरि शता येस लो सिकरान के सम्बन्ध के धर्म के दि० 13-5-16 को इस उतरा के इस न्यायालय द्वारा जखी अन्तरिम तां को लो प्रस्तावता बाद तक को लिए कन्फर्म किला जरा है एवं उन्मपसकसत इस उतर जदपिते युक्ति के सजाव विवर व शर्तों की प्रस्ताविति बनाने रहेगी। पत्रावली प्रस्ताव उतरा दोनर जखी के कय ही। न्यायि गैदे गरा किलकामा जखी द्वारा येस के साथ हम फीरा रहे।</p>	